विधिक अध्ययन

कक्षा 12 के लिए पाठ्यक्रम

विधिक अध्ययन-317

टिप्पणी:

50 प्रश्नों वाले एक प्रश्न पत्र में से 40 प्रश्नों को हल करने की आवश्यकता होगी।

भाग	इकाई	
I	**न्यायपालिका**	i. भारत में न्यायालयों और कानूनी कार्यालयों की संरचना और पदानुक्रम ii. संविधान, भूमिकाएं और निष्पक्षता iii. न्यायाधीशों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, सेवानिवृत्ति और पदच्युति iv. न्यायालय और न्यायिक समीक्षा
II	**कानून के विषय**	i. संपत्ति का कानून ii. अनुबंधों का कानून iii. अपकृत्य का कानून **iv.** भारत में आपराधिक कानूनों का परिचय

III	**मध्यस्थता, न्यायाधिकरण अधिनिर्णय, और वैकल्पिक विवाद समाधान**	i. प्रतिकूल और जिज्ञासु प्रणाली ii. वैकल्पिक विवाद समाधान का परिचय iii. ADR के प्रकार iv. मध्यस्थता, प्रशासनिक, न्यायाधिकरण v. मध्यस्थता और सुलह vi. लोक अदालत vii. लोकपाल viii. लोकपाल और लोकायुक्त

IV	**भारत में मानवाधिकार**	i.परिचय – अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ ii. भारत में संवैधानिक ढांचा और संबंधित कानून iii. अर्ध–न्यायिक निकायों की शिकायत तंत्र
V	**भारत में कानूनी पेशा**	परिचय अधिवक्ता अधिनियम, 1961, द बार काउंसिल ऑफ इंडिया, वकील और पेशेवर नैतिकता, वकीलों द्वारा विज्ञापन, कानून स्नातकों के लिए अवसर, भारत में कानूनी शिक्षा, कानूनी पेशा का उदारीकरण, भारत में महिलाएं और कानूनी पेशा
VI	**कानूनी सेवा**	i. कानूनी पृष्ठभूमि – आपराधिक कानून के तहत मुफ्त कानूनी सहायता, राज्य द्वारा कानूनी सहायता, भारतीय संविधान के तहत कानूनी सहायता, NALSAR विनियम,2010 ii. मुफ्त कानूनी सेवाएं देने के लिए मानदंड iii. लोक अदालत iv. सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के संदर्भ में कानूनी सहायता

विधिक अध्ययन-317

VII	**अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ**	i अंतर्राष्ट्रीय कानून का परिचय ii. अंतर्राष्ट्रीय कानून के स्रोत – संधियां, सीमा शुल्क और आईसीजे निर्णय iii. अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार iv. प्रथागत अन्तर्राष्ट्रीय कानून v. अंतर्राष्ट्रीय कानून और नगरपालिका कानून vi. अंतर्राष्ट्रीय कानून और भारत vii. विवाद समाधान – ICJ, ICC और अन्य विवाद समाधान तंत्र
VIII	**कानूनी सूक्ति**	**महत्वपूर्ण कानूनी सूक्ति ।** **निम्नलिखित के दृष्टांतों के साथ अर्थ:**

		- Actus non facit reum nisi mens sit rea - Ad valorem - Amicus Curiae - Audi alterem partum - Assentio Mentium - Bona fide - Bona Vacantia - Caveat Emptor - Corpus Delicto - Damnum Sine Injuria - De Die in Diem - De Minimis Lex Non Curat - Doli Incapax - Ejusdem Generis - Ex Post Facto - Ignorantia Facti Excusat – IgnorantiaJuris Non Excusat - Injuria Sine Damnum - Locus Standi - Nemo Debet Esse Judex in Propria SuaCausa - Nemo debt non quad habit - Noscitur a Sociis - Obiter Dicta - Pari Materia - Per Incuriam - Qui Facit Per Alium, Facit Per Se - Quid pro quo - Ratio Decidendi - Res ipsa loquitur - Res Judicata Accipitur Pro Veritate - Salus Populi Est Suprema Lex - Stare Decisis - Ubi Jus Ibi Remediu